हैदराबाद शहर में अलौकिक दिव्य एवं भव्य समर्पण समारोह

12 कन्याओं ने मानवता के उत्थान हेतु किया जीवन समर्पित

हैदराबाद-तेलंगाना। ब्रह्माकुमारीज़ शांति सरोवर के ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम में आयोजित दिव्य एवं भव्य अलौकिक समर्पण समारोह में संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने कहा कि अपने जीवन को दिव्य बनाकर समस्त मानव जाति को दिव्य बनाने के लिए परमार्थ अपना जीवन समर्पित कर देना एक महान कर्त्तव्य है। इन 12 कन्याओं ने अपनी हिम्मत और स्वेच्छा से ईश्वरीय सेवा में अपना जीवन समर्पित करने का जो संकल्प लिया, यह बेहद सराहनीय है। ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुरूग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि इन कन्याओं ने तन-मन-धन से ईश्वरीय सेवा में अपना जीवन अर्पण करके समाज के सामने एक

मिसाल कायम की है। इस मौके पर शांति सरोवर की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. कुलदीप दीदी ने कहा कि इन कन्याओं ने स्वेच्छा से ये मार्ग चुना कि हमें अपने चाल चलन चेहरे से अलौकिक जीवन की खुशबू सारे जग में फैलानी है। वास्तव में ये बहुत-बहुत बधाई के पात्र हैं। मैं इस दिव्य कार्य के लिए इन कन्याओं को बहुत-बहुत शुभकामनायें देती हूँ कि आप अपने लक्ष्य में अवश्य सफल हों। ब्रह्माकुमारीज़ सिकंदराबाद की क्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. मंजू बहन व ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दुनिया में लोग घरबार छोड़कर सन्यास लेते हैं। परंतु ये परमात्मा शिव की एक अद्भुत विधि-विधान है कि ये रहेंगे तो संसार में ही लेकिन जैसे कि कमल रहता है कीचड़ में। और परमात्मा के निर्देशन में जीवन जीते हुए दुनिया में परमात्मा का संदेश देंगी और जन-जन के जीवन को दिव्यता की ओर प्रेरित करेंगी।

अलौकिक समर्पण के दौरान...

दिव्य संगीत समारोह में प्रसिद्ध गायक हरीश मोयल एवं ब्र.कु. दामिनी, अहमदाबाद ने दिव्य गीतों की प्रस्तुति देकर समारोह को और दिव्य व अलौकिक बनाया। साथ ही कुमारियों ने नृत्य की अनुपम प्रस्तुति दी।

12 कन्याएं शिव को हुईं समर्पित

ब्र.कु. अनुपमा, ब्र.कु. अश्विनी, ब्र.कु. भव्या स्पंदना, ब्र.कु. भावना, ब्र.कु. लावण्या, ब्र.कु. मधुवनी, ब्र.कु. प्रीति, ब्र.कु. प्रियंका, ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. सिंधुजा, ब्र.कु. श्रव्या व ब्र.कु. विष्णुप्रिया ने किया परमार्थ जीवन समर्पित।

पाँचवें पुण्य स्मृति दिवस पर प्रेमलता दीदी को संतों-महंतों ने किया याद

देहरादून-उत्तराखण्ड। प्रेमलता बहन के पाँचवे स्मृति दिवस पर आयोजित सन्त सम्मेलन में स्वामी गणेशनाथ योगी जी महाराज, अध्यक्ष,पीर प्रेम नाथ धाम आश्रम, हरिद्वार ने कहा कि प्रेम बहन जी दया एवं करुणा की मूर्ति थीं। उनका जीवन हम सब के लिए अनुकरणीय है। महामण्डलेश्वर स्वामी 1008 सोमेश्वरानंद गिरि जी महाराज,श्री शंकराचार्य आश्रम,हरिद्वार ने कहा कि प्रेम बहन जी मेरी माँ समान थीं। उन्होंने मनुष्यों की सोच को बदला है जिससे पूरे विश्व में विचार क्रांति आई है। स्वामी परमानंद दास जी महाराज,मधुबन आश्रम,हरे कृष्णा,ऋषिकेश ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान से एक आध्यात्मिक क्रांति निकल चुकी है जो सारे संसार को प्रेम दया करुणा और शांति का संदेश दे रही है। महामण्डलेश्वर स्वामी संतोषानन्द देव जी महाराज,अध्यक्ष,अवधूत मण्डल आश्रम,हरिद्वार ने कहा कि प्रेम दीदी से हर वर्ष रक्षाबंधन के दिन सन्त संगोष्ठी में राखी बंधवाते थे। उनका वह वात्सल्य मुझे आज भी याद आ रहा है। मेरे मन-मस्तिष्क पर उनके प्रेम की अमिट छाप है। ब्रह्माकुमारीज़ देहरादून की क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी ने राजयोगिनी प्रेमलता दीदी के साथ का अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि दीदी ने मुझे हर सेवा कार्य को सही रीति से करते हुए परमात्मा के कार्य को आगे बढ़ाने की विधि सिखाई। हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती रहीं। मौके पर योगी अखिलेशानंद जी महाराज,रमता योगी, स्वामी राममुनि जी महाराज,अध्यक्ष सन्त मण्डल आश्रम, हरिद्वार, महंत शम्भू दास जी महाराज,अध्यक्ष,मानस मंदिर,हरिद्वार, डॉ. स्वामी अमृतानंद गिरि जी महाराज आदि सभी संतों ने प्रेमलता बहन को श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

प्रेमलता दीदी के पाँचवें पुण्य स्मृति दिवस पर...

- संत समागम में पहुंचे महामण्डलेश्वर
- उनके दिव्य जीवन के साझा किये संस्मरण
- उनका जीवन समस्त मानवता के लिए प्रेरणा

आगे बढ़ने की होड़ में अपनी शक्ति व अस्तित्व को न भूलें महिलायें

सम्मेलन >> • महिला सम्मेलन में पहुंची देशभर की महिलायें • तीन दिनों तक सशक्तिकरण पर चर्चा • डायलॉग एवं कार्यशालाओं का आयोजन

शांतिवन-आबू रोड(राज.)। राजस्थान सोशल वेलफेयर बोर्ड की अध्यक्षा डॉ. अर्चना ने कहा कि महिलाओं में शक्ति का पुंज है। परंतु आगे बढ़ने की होड़ में उन्हें अपनी शक्ति और अस्तित्व को नहीं भूलना चाहिए। वे ब्रह्माकुमारीज़ के मनमोहिनीवन स्थित ग्लोबल ऑडिटोरियम में आयोजित महिला सम्मेलन को सम्बोधित कर रही थीं। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम इंटरप्राइज़ेज़ मंत्रालय के राष्ट्रीय बोर्ड की सदस्य रश्मि मिश्रा ने कहा कि मुझे यहां सबको देखकर लग रहा है कि परमात्मा का आशीर्वाद हमें मिल रहा है। अपना अनुभव साझा करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने जब ब्रह्माकुमारीज़ में आकर मेडिटेशन करना शुरू किया तब मुझे पता चला कि अध्यात्म

का मतलब क्या है। जब तक हम स्वयं आध्यात्मिकता से जुड़ेंगे नहीं, बच्चों को घर में सही और गलत की शिक्षा नहीं देंगे, तब तक हमारा देश और समाज किसी भी चीज़ में सफल नहीं हो पायेगा। एनेस्थीसिया की प्रोफेसर डॉ. उषा किरण ने कहा कि कलियुग का परिवर्तन कर स्वर्ग की राह ब्रह्माकुमारी बहनें ही दिखाएंगी। फिल्म समीक्षक और लेखक भावना सोमैया ने कहा कि मैं ऐसा मानती हूँ कि एजुकेशन, मनी और सक्सेस एम्पावरमेंट नहीं है। एम्पावरमेंट सेल्फ कॉन्फिडेंस है और सबसे ज़्यादा आपको शिक्षा दे रही है। महिला प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. चक्रधारी दीदी ने कहा कि एक दैवी सृष्टि बनाने के लिए महिलाओं का स्पीरिचुअल एम्पावरमेंट बहुत ज़रूरी है क्योंकि स्पीरिचुअलिटी केवल लेक्चर देने की चीज़ नहीं। जब स्पीरिचुअल पौधे का निर्माण किया जाता है तो पौधे को समय पर पानी देना और खराब चीज़ों से निराई करना ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि नारी शक्ति ही विश्व को बदल सकती है। यह हमारे संस्थान में माताओं-बहनों ने कर दिखाया है। कार्यक्रम में महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शारदा बहन, मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. डॉ. सविता बहन समेत कई लोगों ने अपने विचार रखे।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Aug, 2022
स्वामी - राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा डी.बी. कॉर्प.लि. भास्कर प्रिन्टिंग प्रेस,शिवदासपुरा, टोंक रोड,जयपुर से मुद्रित एवं ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, आबू रोड(राज.)- 307510
See Latest News - www.omshantimedia.org